भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3767

सोमवार, 16 मार्च, 2026/25 फाल्गुन, 1947 (शक)

वारंगल जिले में रोजगार की स्थिति

3767. डॉ. कडियम काव्य:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वारंगल जिले में, विशेषकर सीमित औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए, उक्त क्षेत्र में 15 से 29 वर्ष की आयु के बीच युवा बेरोजगारी की वर्तमान दर का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा रोजगार की तलाश में वारंगल जिले से हैदराबाद और अन्य महानगरों में युवाओं और कामगारों के मजबूरी में प्रवासन को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा मौसमी कृषि कामगारों के लिए कम कृषि कार्य के समय के दौरान आय सुरक्षा और असुरक्षा को कम करना सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित विशिष्ट योजनाओं, सुरक्षा उपायों और आजीविका उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ग): रोजगार और बेरोजगारी का आधिकारिक डाटा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) द्वारा एकत्र किया जाता है जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से आयोजित किया जा रहा है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, देश में 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) वर्ष 2017-18 में 17.8% से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.2% और इसी अवधि के दौरान तेलंगाना राज्य में (वारंगल जिले सहित) 23.3% से घटकर 16.6% हो गई है। इसके अतिरिक्त, देश में 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर रोजगार को दर्शाने वाला अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) वर्ष 2017-18 में 31.4% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41.7% और इसी अवधि के दौरान तेलंगाना राज्य में (वारंगल जिले सहित) 32.0% से बढ़कर 40.7% हो गया है।

नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है। तदनुसार, सरकार देश में (वारंगल जिले सहित) विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रही है। सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही

विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं/कार्यक्रमों का ब्यौरा https://dge.gov.in/dge/schemes_programmes पर देखा जा सकता है।

सरकार कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के तहत, कौशल विकास केंद्रों/विद्यालयों /महाविद्यालयों संस्थानों आदि के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश में विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) आदि के तहत कौशल, पुन: कौशल और कौशल संवर्धन प्रशिक्षण का कार्यान्वयन भी कर रही है। एसआईएम का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग जगत से संबंधित कौशल प्रदान करके भविष्य के लिए सक्षम बनाना है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) और विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी (वीबी-जीआरएएमजी) जैसे सरकारी कार्यक्रमों का उद्देश्य मौसमी कृषि कामगारों सहित ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करना है। ये योजनाएं प्रशिक्षण, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और ग्रामीण रोजगार पहलों के माध्यम से कौशल विकास, स्वरोजगार और विविध आजीविका अवसरों को बढ़ावा देती हैं। ये योजनाएं कृषि से परे आय-सृजन गतिविधियों को सुविधाजनक बनाकर कामगारों को कृषि अभाव काल में आजीविका बनाए रखने और मौसमी बेरोजगारी से उत्पन्न होने वाली असुरक्षा को कम करने में मदद करती हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई**)** ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी कर्मियों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए **'**फ्यूचर स्किल्स प्राइम**'** कार्यक्रम शुरू किया है।

सरकार विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए, सभी क्षेत्रों में रोज़गार सृजन, रोज़गार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना नामक रोज़गार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को कार्यांवित कर रही है। 99,446 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना का उद्देश्य 2 वर्षों की अवधि में देश में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगारों के सृजन को प्रोत्साहित करना है।

इसके अलावा, भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि करियर से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

*****